व्यक्तित्व का अर्थ एवं परिभाषाएँ
(Meaning and Definations of Personality)

व्यक्तित्व का अंग्रेजी शब्द 'परसोनलिटी' (Personality) से बना है। यह परसोना शब्द 'प्रोसोपोन' (Prosopon) से लिया गया है। प्रोसोपोन का शाब्दिक अर्थ 'आकृति' या 'चेहरे का भाव' है। इस अर्थ के अनुसार व्यक्तित्व का तात्पर्य किसी व्यक्ति का वह बाह्य रूप है जो दूसरों के सम्मुख प्रकट होता है। साधारण बोलचाल की भाषा में भी व्यक्तित्व का अर्थ बाह्य रूप से ही लगाया जाता है। प्रायः दैनिक रूप में शारीरिक बनावट एवं बाह्य स्वरूप को उससे जोड़ते हैं। अतः ऐसा कहते हैं कि उसका व्यक्तित्व आकर्षण है एवं अमुक का व्यक्तित्व बदसूरत है आदि।

कुछ लोग व्यक्तित्व शब्द का प्रयोग ख्याति के सन्दर्भ में भी कर लिया करते हैं। वैज्ञानिक दृष्टि से व्यक्तित्व का ये सब अर्थ अवैज्ञानिक हैं। व्यक्तित्व का वास्तविक अर्थ अत्यधिक विस्तृत है। शारीरिक बनावट, रंग-रूप, ख्याति आदि उसका एक अंशमात्र है। इसमें शारीरिक, मानसिक, सांस्कृतिक सामाजिक आदि सभी पक्षों का समावेश है। अतः व्यक्तित्व के अर्थ को निम्नलिखित परिभाषाओं द्वारा समझा जा सकता है:—

ड्रेवर :—

"व्यक्तित्व व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक, नैतिक और सामाजिक गुणों का वह सुसंगठित और गतिशील संगठन है, जो अन्य व्यक्तियों के प्रति नित्य प्रति के सामाजिक जीवन के आदान-प्रदान के दौरान अपने को अभिव्यक्ति करता है।"

इनके परिभाषा से यह तीन बातें स्पष्ट होती है — ① व्यक्तित्व के अन्तर्गत शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और

सांस्कृतिक गुणों का समावेश होता है, (ii) यह एक समन्वित एवं गतिशील संगठन है, और (iii) इसकी अभिव्यक्ति सामाजिक आदान - प्रदान के क्रम में होती है।

डेविस :—

"व्यक्तित्व एक मनोवैज्ञानिक परिघटना है जो न जैविक है और न सामाजिक, अपितु दोनों के योग की उपज है।"

इस कथन से दो बातें स्पष्ट होती है— (i) व्यक्तित्व मनोवैज्ञानिक परिघटना है और (ii) इसकी उत्पत्ति जैविकीय एवं सामाजिक दोनों के आधार पर होती है।

ऑलपोर्ट :—

"व्यक्तित्व व्यक्ति के भीतर उन मनः शारीरिक व्यवस्थाओं का गतिशील संगठन है, जो पर्यावरण के प्रति होने वाले उसके अपूर्व अनुकूलनों का निर्धारण करते है।"

इनकी परिभाषा से तीन बातें स्पष्ट होती है — (i) व्यक्तित्व एक गतिशील संगठन है, (ii) इसमें दो प्रमुख व्यवस्थाएँ होती है — मनोवैज्ञानिक और शारीरिक और (iii) यह व्यक्ति का उसके पर्यावरण के साथ सामंजस्य को निश्चित करता है।

ए. डब्लू ग्रीन :—

"व्यक्तित्व व्यक्ति के मूल्यों (उसके प्रयासों के उद्देश्य, आशा विचारों, मान सत्ता एवं लिंग) तथा उसके अनौतिक लक्षणों (क्रिया एवं प्रतिक्रिया के इसके स्वभावगत ढंग) का संगठन है।"

उपरोक्त विवेचनाओं से स्पष्ट होता है कि व्यक्तित्व शारीरिक, सामाजिक - सांस्कृतिक एवं मानसिक गुणों से युक्त एक संगठित एवं गतिशील अवधारणा है।